

हे हमारे पिता,
तू जो स्वर्ग में है,
तेरा नाम पवित्र माना जाए ।
तेरा राज्य आए ।
तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है,
वैसे पृथ्वी पर भी हो ।
हमारे दिन भर की रोटी आज हमें दे ।
और जिस प्रकार हमने अपने अपराधियों को क्षमा किया है
वैसे ही तू भी हमारे अपराधों को क्षमा कर ।
और हमें परीक्षा में न ला, परंतु बुराई से बचा,
(क्योंकि राज्य और महिमा)
सदा तेरे ही है ।
(आमीन)